आखर हिंदी पत्रिका

An International Peer Reviewed Referred Online E-Journal

E- ISSN - 2583-0597; खंड 3/अंक 3/जून 2023

अनुक्रमणिका

संपादकीय	प्रो. प्रतिभा मुदलियार	244-246
शोधालेख		
• कुष्ठ रोगियों की शासकीय योजनाओं एवं पुनर्वास नीति का समाजशास्त्रीय अध्ययन	अखिलेश्वर कुमार साहू	247-257
• आदिवासियत की तीन कहानियाँ	डॉ. श्रीलेखा के. एन	258-262
• हिंदी साहित्य और सामासिक संस्कृति	श्वेता मिश्रा	263-266
• संस्कृति और राष्ट्र	सौम्यश्री हेच.डी.	267-269
• साइबर अपराध: मुद्दे और चुनौतियाँ	अखिल एम जैन	270-276
• इक्कीसवीं सदी के कथा साहित्य में 'दौड़'	डॉ. सी एन होम्बली	277-280
• इलेक्ट्रानिक मिडीया और रोजगार	डॉ. रंजना पाटिल	281-285
• महिलाओं के प्रति भारतीय समाज का आचरण: प्राचीन वैदिक काल से आधुनिक युग तक	सहिल चंद	286-291
• दलित विमर्श	लेखिका, मोक्षित जैन	292-297
• साठोत्तरी खंडकाव्यों में मिथक	डॉ. दीपा.म.देशपांडे	298-301
• अपना निजी कक्ष की माँग करती रचनाएँ	डॉ. सुगता.ए.आर	302-306
• साहित्य और सिनेमा के सरोकार - एक विवेचन	डॉ.अर्चना गौतम	307-314
• एक कण्ठ विषपायी: आज भी पितृसत्तात्मक समाज और परंपराओं में जकड़ी नारी	केसरबेन राजपुरोहित	315-319
• रामचरितमानस के नारी पात्रों का विश्लेषण	डॉ. वंदना शर्मा	320-325
• भारतीय समाज में किन्नर समुदाय	सुनीता चौहान, डॉ.बी. कामकोटी	326-329

- गिरमिटियों के उद्धार में पं.तोताराम सनाढ्य का योगदान — डॉ. सुभाषिनी लता कुमार, रुनाज़ अली — 330-335
- दुष्यंत कुमार का रचना वैशिष्ठ्य : एक अवलोकन — डॉ. नागरत्ना .एन. राव — 336-340
- भूमंडलीकरण का परिदृश्य: रेहन पर रग्घू — डॉ. मनोज कुमार — 341-348
- कमलेश्वर की कहानी 'ऊपर उठता हुआ मकान' में वृद्ध विमर्श — डॉ. सुधा कनकानवर, डॉ. बी.एस.हेमलता — 349-356

लेख

- प्रयोजनमूलक हिंदी का भविष्य — श्रीमती. सौम्या बी — 357-359

पुस्तक समीक्षा

- शब्द बहुरूपिये हो गए — डॉ. संगीता श्रीवास्तव — 360-368
- अद्भुत है यह जंगल-गीत की श्रृंखला — डॉ. आशोक प्रियदर्शी — 369-374

कविताएं

- एक सिगनल की स्टोरी — चंदना — 375-376
- इस खजाने को न होने दें कभी बरबाद — कुमार मनीष अरविंद — 377-378
- जंगल से लौटकर — कुमार मनीष अरविंद — 379-380

कहानी

- किस्सा-ए-सर्टिफिकेट — रिम्पू सिंह 'सुभाषिनी' — 381-383

****